



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

(Handwritten signature)

सं. 199]
No. 199]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 29, 1991/ज्येष्ठ 9, 1913
NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 29, 1991/JYAISTHA 9, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मई, 1991

सा. का. नि. 281 (अ).--खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए कतिपय प्राल्प नियम खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 (1954 का 37) को धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षाानुसार भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 50(अ) तारीख 5 फरवरी, 1990 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-2 खंड-3 उपखंड(i) तारीख 5 फरवरी, 1990 के पृष्ठ 1-13 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी उस तारीख से, जिसकी उस राजपत्र को प्रतियां जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, 60 दिन की समाप्ति से पूर्व आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 14 मई 1990 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी।

और केन्द्रीय सरकार ने प्राल्प नियमों के संबंध में जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् --

नियम

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (चौथा संशोधन) नियम, 1991 है।

(2) ये राजपत्र में अन्तिम प्रकाशन की तारीख से छह मास की समाप्ति पर प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 के परिशिष्ट "क" में मद क. 18.06 के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् --

"क" 18.06 आद्यान्व जो मानव उपभोग के लिए हैं, वे अनाज, ज्वार, बाजरा और बालों के साबुत या टूटे हुए बाने होंगे।

प्रनाज के लिए नीचे वर्णित मानकों के अनुरूप होने के अनिवार्यतः ये प्राजिमोन मेक्सिकाना और किसी भी प्रकार की केसरी दाल से मुक्त होंगे। ये मिलाए जाने वाले किसी रंग से भी मुक्त होंगे। खाद्यान्न में नियम 65 की सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट से भिन्न की कीटनाशी अवशिष्ट नहीं होंगे और खाद्यान्न में कीटनाशी अवशिष्ट की मात्रा उक्त सारणी के स्तंभ (4) में विनिर्दिष्ट परिसीमा से अधिक नहीं होंगी।

क-1806.01 गेहूँ

वर्षन-गेहूँ ट्रिटिकम अस्टीमलिन या ट्रिटिकम बल्गेरे बिज, ट्रिटिकम डब्लू डेस्क, ट्रिटिकम स्फेरोकोकम पर्क, ट्रिटिकम डोलोकम शूबल, ट्रिटिकम कम्पेकटम होस्ट के सुखाए हुए पके दाने होंगे। वह मीठा, साफ और स्वास्थ्यप्रद होगा। वह निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप भी होगा, अर्थात् :—

- (i) आर्द्रता-भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों की 130° से. ग्रे. - 133° से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (ii) विजातीय पदार्थ-भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ और विषैले बीज क्रमशः 1.0 और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। विषैले बीजों की कुल सीमा में से धतूरा और भकरा (बिसिया स्पीसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0.025 और 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (iii) अन्य खाद्य दाने, भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (iv) अतिप्रस्त दाने—भार के अनुसार 6.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें करलाल बंट से प्रभावित दाने और भारगोट से प्रभावित दानों की सीमा भार के अनुसार क्रमशः 3.0 प्रतिशत और 0.06 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
- (v) कीड़ा खाए दाने—गणना के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (vi) यूरिक अम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि. ग्रा. से अधिक नहीं होगा।
- (vii) माईकोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है प्रति किलोग्राम 30 माईकोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और अतिप्रस्त दानों का योग भार के अनुसार 12 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06-02 मक्का :

मक्का सूखा और जिया में लिन के पके हुए दाने होंगे। वह मीठी कड़ा, साफ और स्वास्थ्यप्रद होगा। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगा अर्थात् :—

- (i) आर्द्रता—भार के अनुसार 16.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों की 130 से. ग्रे. - 133 से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (ii) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ और विषैले बीज क्रमशः 1.0 और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। विषैले बीजों की कुल सीमा में से धतूरा और भकरा (बिसिया स्पीसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0.025 और 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (iii) अन्य खाद्यान्न—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(iv) अतिप्रस्त दाने—भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(v) कीड़ा खाए दाने—गणना के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(vi) यूरिक अम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि. ग्रा. से अधिक नहीं होगा।

(vii) माईकोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है—प्रति किलोग्राम 30 माईकोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और अतिप्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क - 18.06-03—ज्वार और बाजरा

ज्वार और बाजरा क्रमशः सोरगम बल्गेरे पर्क और पैनेसिटम टार्फोइडमरिज के सुखाए हुए पके दाने होंगे। ये मीठे, कड़े, साफ और स्वास्थ्यप्रद होंगे। ये निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होंगे अर्थात् :—

- (i) आर्द्रता—भार के अनुसार 16.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। (जो प्रकीर्णित दानों की 130 से. ग्रे. - 133 से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।
- (ii) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ और विषैले बीज क्रमशः 1.0 प्रतिशत और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। विषैले बीजों की कुल सीमा में से धतूरा और भकरा (बिसिया स्पीसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0.025 और 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (iii) अन्य खाद्यान्न—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (iv) अतिप्रस्त दाने भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से भारगोट से प्रभावित दाने भार के अनुसार 0.05 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (v) कीड़ा खाए दाने—भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (vi) यूरिक अम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि. ग्रा. से अधिक नहीं होगा।
- (vii) माईकोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है प्रति किलोग्राम 30 माईकोग्राम से अधिक नहीं होंगे।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और अतिप्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. - 18.06.04 बाजल

बाजल और ईजा सेटाईबालिस की पक्की गिरी या किनी के टुकड़े होंगे जो धान से कच्चे या उबालकर प्राप्त किए जाएंगे। ये सूखे, मीठे, साफ स्वास्थ्यप्रद होंगे और विषैले पदार्थों से मुक्त होंगे। यह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होंगे अर्थात् :—

- (i) आर्द्रता—भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगी जो प्रकीर्णित दानों की 130 से. ग्रे. - 133 से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी।
- (ii) विजातीय पदार्थ भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिनमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।
- (iii) अतिप्रस्त दाने—भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे (जिसमें विषरहित छोर वाले सम्मिलित नहीं हैं)।

(iv) कीड़ा खाए दाने—गणना के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(v) यूरिक अम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि. ग्रा. से अधिक नहीं होगा।

(vi) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है—प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगे।

परन्तु विजातीय पदार्थ और कीड़ा खाए दानों का योग, भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.05—मसूर साबुत

मसूर साबुत में लेंटिन (लैन्स क्लोनीनरिस मेडिका या हरवन लैन्स लिन या लेन्स एस्कुरेन्टा सोइजन) होंगी। वह ठोस, सुखी, मोटी, साफ और स्वास्थ्य-प्रद होगी। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप होगी अर्थात् :—

(1) भारता—भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से. ग्रे.— 133° से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी),

(2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ एक प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(3) अन्य खाद्यान्न—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(4) क्षतिग्रस्त दाने—भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(5) कीड़ा खाए दाने—गणना के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(6) यूरिक अम्ल—प्रति कि.ग्रा. 100 मि.ग्रा. से अधिक नहीं होगा।

(7) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है—प्रति कि.ग्रा. 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क-18.06.06—उड़द साबुत :

उड़द साबुत में दालों (फाबीजोस मुर्गी लिन) के बीज होंगे। वह ठोस, सूखी, मोटी और स्वास्थ्यप्रद होगी। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :—

(1) भारता—भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से. ग्रे.— 133° से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।

(2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(3) अन्य खाद्यान्न—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(4) कीड़ा खाए दाने—गणना के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(5) क्षतिग्रस्त दाने—भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(6) यूरिक अम्ल—प्रति कि.ग्रा. 100 मि.ग्रा. से अधिक नहीं होगा।

(7) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है—प्रति कि.ग्रा. 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्यान्नों और क्षतिग्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.07—मूंग साबुत

मूंग साबुत में मूंग (केसिओलस अरेग्रस रोकसब, केसिओलस रेडिएटस रोकसब) के बीज होंगे। वह ठोस, सूखी, मोटी, स्वास्थ्यप्रद होगी और

अस्वास्थ्यप्रद पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होगी। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :—

(1) भारता—भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से. ग्रे.— 133° से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।

(2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(3) अन्य खाद्यान्न—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(4) क्षतिग्रस्त दाने—भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(5) कीड़ा खाए दाने—गणना के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(6) यूरिक अम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि.ग्रा. से अधिक नहीं होगा।

(7) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है—प्रति कि.ग्रा. 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.08—चना साबुत :

चना साबुत में चना (साइटर ऐरीटिनम लिन) के सूखे दाने होंगे। वे ठोस, साफ, मोटे, स्वास्थ्यप्रद होंगे और अस्वास्थ्यप्रद पदार्थों से मुक्त होंगे। वे निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होंगे, अर्थात् :—

(1) भारता—भार के अनुसार 16 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से. ग्रे.— 133° से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।

(2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(3) अन्य खाद्यान्न—भार के अनुसार 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(4) क्षतिग्रस्त दाने—भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(5) कीड़ा खाए दाने—गणना के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

(6) यूरिक अम्ल—प्रति किलोग्राम 100 मि.ग्रा. से अधिक नहीं होगा।

(7) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है—प्रति कि.ग्रा. 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होगी।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 9 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.09—दली दुई (दाल) भरहर :

दाल भरहर में दाल भरहर (केजनस केजन) (एल) मिलशप) की भूसी और दले हुए बीज होंगे। वे ठोस, साफ, मोटी, सूखी, स्वास्थ्यप्रद होंगे और अस्वास्थ्यप्रद पदार्थों के मिश्रण से मुक्त होंगे। वह निम्नलिखित मानकों के अनुरूप भी होगी, अर्थात् :—

(1) भारता—भार के अनुसार 14 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से. ग्रे.— 133° से. ग्रे. पर दो घंटे तक गर्म करने पर अभिप्राप्त होगी)।

(2) विजातीय पदार्थ—भार के अनुसार 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ 1 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (6) यूरेक अम्ल-प्रति किलोग्राम 100 मि. ग्रा. में अधिक नहीं होगा।

- (7) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है--प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगे।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दानों और क्षतिग्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 7 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

क. 18.06.14--

कोई अन्य खाद्यान्न जिन्हें ऊपर विनिर्दिष्ट नहीं किया गया है, निम्न-लिखित मानकों के अनुरूप होंगे, अर्थात्--

- (1) आर्द्रता--भार के अनुसार 17 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी (जो प्रकीर्णित दानों को 130° से ग. से 133° से. गे. पर हो घटे तक गर्म करने पर अभिसाप्त होंगे)।

- (2) विजातीय पदार्थ--भार के अनुसार 6.0 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

जिसमें से अकार्बनिक पदार्थ और विषैले बीज क्रमशः 1.0 और 0.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे। (विषैले बीजों की कुल सीमा में से धतूरा और अकरा विसिया स्पीसीज) भार के अनुसार क्रमशः 0.025 और 0.2 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (3) अन्य खाद्य दाने--भार के अनुसार 6 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (4) कीड़ा खाए दाने--गणना के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (5) क्षतिग्रस्त दाने--भार के अनुसार 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होंगे।

- (6) यूरिक अम्ल प्रति किलोग्राम 100 मि.ग्र. से अधिक नहीं होगा।

- (7) माइक्रोटाक्सीन जिसमें अफलाटाक्सीन भी है--प्रति किलोग्राम 30 माइक्रोग्राम से अधिक नहीं होंगे।

परन्तु विजातीय पदार्थ, अन्य खाद्य दोनों और क्षतिग्रस्त दानों का योग, भार के अनुसार 12 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण मद 18.06 से 18.06.14 के प्रयोजनों के लिए-

(क) "विजातीय पदार्थ" से अभिप्रेत है खाद्यान्न से भिन्न ऐसा कोई बाहरी पदार्थ जिसमें निम्नलिखित समाविष्ट है:--

- (i) अकार्बनिक पदार्थ जिसमें धातु के टुकड़े, बालू, बजरी, गंदगी, कंकड़, पत्थर, मिट्टी के पिंडक, मिट्टी और कीचड़ तथा पशु गन्दगी अंतर्निष्ठ है और चावल की दशा में गिरी या गिरी के टुकड़े, यदि कोई हो, जिनके ऊपरी भाग में मिट्टी लगी है, और

- (ii) कार्बनिक पदार्थ के अंतर्गत, जिसमें छिलका, फूस, तणक, बीज और अन्य अखाद्य दाने हैं और चावल की दशा में धान भी है।

- (ख) विषैले, नशीले और या हानिकार बीज से अभिप्रेत है ऐसे बीज, जो यदि परिमाण में अनुज्ञेय परिसीमा से अधिक विद्यमान हों तो वे स्वास्थ्य, इन्द्रियग्राही गुणों या तकनीकी निष्पादन पर क्षतिकार या खतरनाक प्रभाव डाल सकते हैं, जैसे धतूरा (डी फास्ट्यूओसालिन और डी स्ट्रामोनियन लिन) काम्बपुष्प (एग्रेस्टमा निथागो एल. मचाई लेलियम रिमुलिनम लिन) अकरा (विसिया स्पीसीज)।

- (ग) "क्षतिग्रस्त दानों" से अभिप्रेत है गिरियां या गिरियों के टुकड़े जो ताप, रोगाणु आर्द्रता या मौसम के परिणामस्वरूप अक्षरित

या आंतरिक रूप में क्षतिग्रस्त है अर्थात् अरगोट से प्रभावित दाने या करनालबंद दाने हैं।

- (घ) "कीड़ा खाए दाने" से अभिप्रेत है वे गिरियां जो भागतः या पूर्णतः अनाज के लिए हानिकार कीड़ों द्वारा लिखित छिद्रित हैं किन्तु उनके अन्तर्गत कीटाणुओं द्वारा खाए गए दानों और दानों पर अंडों के बच्चे लगे दाने नहीं हैं।

- (ङ) "अन्य खाद्यान्न" से अभिप्रेत है ऐसे खाद्य दाने (जिसके अंतर्गत निम्न हों) जो उससे भिन्न हैं जिस पर विचार किया जा रहा है।

[सं. पी. 15014/3/88-पी. एच. (एफ और एन) पी. एफ. ए.]
बलवीर सिंह, संयुक्त सचिव

टिप्पण : खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 प्रथम बार भारत के राजपत्र के भाग-2, खण्ड 3, में का. प्रा. 2106, तारीख 12-9-59 को प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनमें निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :--

1. का. नि. प्रा. 1202 दिनांक 26-5-58
 2. का. नि. प्रा. 1687 दिनांक 28-7-56
 3. का. नि. प्रा. 2213 दिनांक 28-9-56 (असाधारण)
 4. का. नि. प्रा. 2755 दिनांक 24-11-57
- उसमें किए गए और संशोधन भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (1) में इस प्रकार प्रकाशित किए गए थे :--
5. सा. का. नि. 514 दिनांक 28-6-58
 6. सा. का. नि. 1211 दिनांक 20-12-58
 7. सा. का. नि. 425, दिनांक 4-4-60
 8. सा. का. नि. 169 दिनांक 11-2-61
 9. सा. का. नि. 1134 दिनांक 16-9-61
 10. सा. का. नि. 1340 दिनांक 4-11-61
 11. सा. का. नि. 1564 दिनांक 24-11-62
 12. सा. का. नि. 1589 दिनांक 22-10-64
 13. सा. का. नि. 1814 दिनांक 11-12-65
 14. सा. का. नि. 74 दिनांक 8-1-66
 15. सा. का. नि. 382 दिनांक 19-3-66
 16. सा. का. नि. 1256 दिनांक 26-8-67
 17. सा. का. नि. 1533 दिनांक 24-8-68
 18. सा. का. नि. 2163 दिनांक 14-12-68 (शुद्धिपत्र)
 19. सा. का. नि. 532 दिनांक 8-3-69
 20. सा. का. नि. 1764 दिनांक 26-7-69 (शुद्धिपत्र)
 21. सा. का. नि. 2068 दिनांक 30-8-69
 22. सा. का. नि. 1808 दिनांक 24-10-70
 23. सा. का. नि. 938 दिनांक 12-6-71
 24. सा. का. नि. 992 दिनांक 3-7-73
 25. सा. का. नि. 553 दिनांक 6-5-72
 26. सा. का. नि. 436 (अ) दिनांक 10-10-72
 27. सा. का. नि. 133 दिनांक 10-2-73
 28. सा. का. नि. 205 दिनांक 23-2-74
 29. सा. का. नि. 850 दिनांक 12-7-75
 30. सा. का. नि. 508 (अ) दिनांक 27-9-75
 31. सा. का. नि. 63 (अ) दिनांक 5-2-76
 32. सा. का. नि. 754 दिनांक 29-5-75
 33. सा. का. नि. 856 दिनांक 12-6-76
 34. सा. का. नि. 1417 दिनांक 2-10-76
 35. सा. का. नि. 4 (अ) दिनांक 4-1-77
 36. सा. का. नि. 18 (अ) दिनांक 15-1-77
 37. सा. का. नि. 651 (अ) दिनांक 20-10-77

38. सा.का.नि. 732 (प्र) दिनांक 5-12-77
 39. सा.का.नि. 775 (प्र) दिनांक 27-12-77
 40. सा.का.नि. 36(प्र) दिनांक 21-1-78
 41. सा.का.नि. 70 (प्र) दिनांक 8-2-78
 42. सा.का.नि. 238(प्र) दिनांक 20-4-78
 43. सा.का.नि. 393 (प्र) दिनांक 4-8-78
 44. सा.का.नि. 590(प्र) दिनांक 23-12-78
 45. सा.का.नि. 55(प्र) दिनांक 31-1-79
 46. सा.का.नि. 142(प्र) दिनांक 16-3-79 (शुद्धिपत्र)
 47. सा.का.नि. 231 (प्र) दिनांक 6-4-79
 48. सा.का.नि. 423(प्र) दिनांक 30-6-79 (शुद्धिपत्र)
 49. सा.का.नि. 1043 दिनांक 11-8-79 (शुद्धिपत्र)
 50. सा.का.नि. 1210 दिनांक 29-9-79 (शुद्धिपत्र)
 51. सा.का.नि. 19(प्र) दिनांक 28-1-80
 52. सा.का.नि. 243(प्र) दिनांक 1-3-80
 53. सा.का.नि. 244 (प्र) दिनांक 1-3-80 (शुद्धिपत्र)
 54. सा.का.नि. 996 दिनांक 8-9-80
 55. सा.का.नि. 579 (प्र) दिनांक 13-10-80
 56. सा.का.नि. 652 (प्र) दिनांक 14-11-80
 57. सा.का.नि. 710(प्र) दिनांक 22-12-80
 58. सा.का.नि. 23(प्र) दिनांक 16-1-80
 59. सा.का.नि. 205(प्र) दिनांक 25-3-81 (शुद्धिपत्र)
 60. सा.का.नि. 290 (प्र) दिनांक 13-4-81
 61. सा.का.नि. 444 दिनांक 2-5-81 (शुद्धिपत्र)
 62. सा.का.नि. 503 (प्र) दिनांक 1-9-81
 63. सा.का.नि. 891 दिनांक 3-10-81 (शुद्धिपत्र)
 64. सा.का.नि. 1056 दिनांक 5-12-81 (शुद्धिपत्र)
 65. सा.का.नि. 80 दिनांक 23-1-80 (शुद्धिपत्र)
 66. सा.का.नि. 44 (प्र) दिनांक 5-2-82
 67. सा.का.नि. 57 (प्र) दिनांक 11-2-82
 68. सा.का.नि. 245(प्र) दिनांक 11-3-82
 69. सा.का.नि. 307 (प्र) दिनांक 3-4-82 (शुद्धिपत्र)
 70. सा.का.नि. 386 दिनांक 17-4-82 (शुद्धिपत्र)
 71. सा.का.नि. 422 (प्र) दिनांक 24-5-82
 72. सा.का.नि. 476 (प्र) दिनांक 29-4-82
 73. सा.का.नि. 504 (प्र) दिनांक 20-7-82 (शुद्धिपत्र)
 74. सा.का.नि. 753(प्र) दिनांक 11-12-82 (शुद्धिपत्र)
 75. सा.का.नि. 109 (प्र) दिनांक 26-2-83
 76. सा.का.नि. 249(प्र) दिनांक 8-3-83
 77. सा.का.नि. 209 (प्र) दिनांक 16-3-83
 78. सा.का.नि. 283 (प्र) दिनांक 26-3-83
 79. सा.का.नि. 329(प्र) दिनांक 14-4-83 (शुद्धिपत्र)
 80. सा.का.नि. 539(प्र) दिनांक 1-7-83 (शुद्धिपत्र)
 81. सा.का.नि. 634 दिनांक 9-8-83 (शुद्धिपत्र)
 82. सा.का.नि. 743 दिनांक 8-10-83(शुद्धिपत्र)
 83. सा.का.नि. 790 (प्र) दिनांक 10-10-83
 84. सा.का.नि. 803 (प्र) दिनांक 27-10-83
 85. सा.का.नि. 818(प्र) दिनांक 3-11-83
 86. सा.का.नि. 829(प्र) दिनांक 7-11-83
 87. सा.का.नि. 848 (प्र) दिनांक 19-11-83
 88. सा.का.नि. 893(प्र) दिनांक 17-12-83(शुद्धिपत्र)
 89. सा.का.नि. 113 दिनांक 20-1-84 (शुद्धिपत्र)
 90. सा.का.नि. 500 (प्र) दिनांक 9-7-84
 91. सा.का.नि. 612 (प्र) दिनांक 18-8-84 (शुद्धिपत्र)
 92. सा.का.नि. 744 (प्र) दिनांक 27-10-84
 93. सा.का.नि. 764 (प्र) दिनांक 13-11-84
 94. सा.का.नि. 3 (प्र) दिनांक 1-1-85
 95. सा.का.नि. 11 (प्र) दिनांक 4-1-85
 96. सा.का.नि. 142 (प्र) दिनांक 8-3-85 (शुद्धिपत्र)
 97. सा.का.नि. 293 (प्र) दिनांक 23-3-85
 98. सा.का.नि. 368 (प्र) दिनांक 18-4-85 (शुद्धिपत्र)
 99. सा.का.नि. 385 (प्र) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
 100. सा.का.नि. 543 (प्र) दिनांक 2-7-85
 101. सा.का.नि. 550 (प्र) दिनांक 4-7-85
 102. सा.का.नि. 587 (प्र) दिनांक 17-7-85 (शुद्धिपत्र)
 103. सा.का.नि. 605 (प्र) दिनांक 24-7-85
 104. सा.का.नि. 745 (प्र) दिनांक 20-9-85
 105. सा.का.नि. 746 (प्र) दिनांक 20-9-85
 106. सा.का.नि. 748 (प्र) दिनांक 23-9-85 (शुद्धिपत्र)
 107. सा.का.नि. 892 (प्र) दिनांक 6-12-85
 108. सा.का.नि. 903 (प्र) दिनांक 17-12-85 (शुद्धिपत्र)
 109. सा.का.नि. 73 (प्र) दिनांक 29-1-86
 110. सा.का.नि. 502 (प्र) दिनांक 17-3-86
 111. सा.का.नि. 724 (प्र) दिनांक 29-4-85 (शुद्धिपत्र)
 112. सा.का.नि. 851 (प्र) दिनांक 13-6-86
 113. सा.का.नि. 852 (प्र) दिनांक 13-6-86
 114. सा.का.नि. 910 (प्र) दिनांक 27-6-86
 115. सा.का.नि. 1930 (प्र) दिनांक 9-7-86 (शुद्धिपत्र)
 116. सा.का.नि. 1008 (प्र) दिनांक 18-8-86 (शुद्धिपत्र)
 117. सा.का.नि. 1149 (प्र) दिनांक 15-10-86 (शुद्धिपत्र)
 118. सा.का.नि. 1207 (प्र) दिनांक 18-11-86 (शुद्धिपत्र)
 119. सा.का.नि. 1228 (प्र) दिनांक 27-11-86
 120. सा.का.नि. 12 (प्र) दिनांक 5-1-87
 121. सा.का.नि. 28 (प्र) दिनांक 13-1-87 (शुद्धिपत्र)
 122. सा.का.नि. 270 (प्र) दिनांक 2-3-87
 123. सा.का.नि. 344 (प्र) दिनांक 31-3-87 (शुद्धिपत्र)
 124. सा.का.नि. 422 (प्र) दिनांक 29-4-87 (शुद्धिपत्र)
 125. सा.का.नि. 500 (प्र) दिनांक 15-5-87 (शुद्धिपत्र)
 126. सा.का.नि. 569 (प्र) दिनांक 12-6-87 (शुद्धिपत्र)
 127. सा.का.नि. 840 (प्र) दिनांक 6-10-87
 128. सा.का.नि. 900 (प्र) दिनांक 10-11-87
 129. सा.का.नि. 916 (प्र) दिनांक 17-11-87
 130. सा.का.नि. 917 (प्र) दिनांक 17-11-87
 131. सा.का.नि. 918 (प्र) दिनांक 17-11-87 (शुद्धिपत्र)
 132. सा.का.नि. 72 (प्र) दिनांक 3-2-88 (शुद्धिपत्र)
 133. सा.का.नि. 73 (प्र) दिनांक 3-2-88 (शुद्धिपत्र)
 134. सा.का.नि. 366 (प्र) दिनांक 23-7-89 (शुद्धिपत्र)
 135. सा.का.नि. 367 (प्र) दिनांक 23-3-88
 136. सा.का.नि. 437 (प्र) दिनांक 8-4-88
 137. सा.का.नि. 436 (प्र) दिनांक 8-4-88
 138. सा.का.नि. 454 (प्र) दिनांक 8-4-88
 139. सा.का.नि. 618 (प्र) दिनांक 16-5-88
 140. सा.का.नि. 855 (प्र) दिनांक 12-8-88
 141. सा.का.नि. 856 (प्र) दिनांक 12-8-88
 142. सा.का.नि. 924 (प्र) दिनांक 13-9-88 (शुद्धिपत्र)
 143. सा.का.नि. 1081 (प्र) दिनांक 17-11-88
 144. सा.का.नि. 1157 (प्र) दिनांक 9-12-88
 145. सा.का.नि. 42 (प्र) दिनांक 20-1-89 (शुद्धिपत्र)
 146. सा.का.नि. 128 (प्र) दिनांक 8-3-90
 147. सा.का.नि. 411 (प्र) दिनांक 29-3-90
 148. सा.का.नि. 445 (प्र) दिनांक 16-4-90
 149. सा.का.नि. 457 (प्र) दिनांक 23-4-90

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Deptt. of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th May, 1991

G.S.R. 281(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published as required by sub-section (1) of Section 23 of Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), in the Notification of Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 50(E) dated the 5th Feb. 1990 in the Gazette of India, Extraordinary Part-II Section 3, Sub-section (i), dated the 5th Feb. 1990 at pages 1-13, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of sixty days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published, was made available to the public;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 14th May, 1990.

And whereas the objections and suggestions received from the public on the draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred, by sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Govt., after consultation with Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 namely:—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (fourth Amendment) Rules, 1990.

(2) They shall come into force after sixth month from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in Appendix B, for item A.18.06, the following shall be substituted, namely:—

A.18.06—Foodgrains meant for human consumption shall be whole or broken kernels of cereals, millets and pulses. In addition to the undermentioned standards to which foodgrains shall conform, they shall be free from *argemonemexicana* and *kesari* in any form. (They shall be free from added colouring matter. The foodgrains shall not contain any insecticide residues other than those specified in column (2) of the table of rule 65 and the amount of insecticide residue in the foodgrains shall not exceed the limits specified in column (4) of the said Table.

A.18.06.01—Wheat :

Description.—Wheat shall be the dried mature grains of *Triticum aestivum* Linn. Or *Triticum vulgare* Vill, *Triticum durum* Desf, *Triticum sphaerococcum* Perc., *Triticum dicoccum* Schubl., *Triticum Compactum* Host. It shall be sweet, clean and wholesome. It shall also conform to the following standards, namely :

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130° C-133° C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds, shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight, respectively. Out of total limit of poisonous seeds, dhatura and akra (*Vicia* species) shall not exceed 0.025 and 0.2 per cent by weight respectively.
- (iii) Other edible grains—Not more than 6 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 6.0 per cent by weight including karnal bunt affected grains and ergot affected grains. The limit of Karnal bunt affected grains, ergot affected grains shall not exceed 3.0 per cent and 0.05 per cent by weight, respectively.
- (v) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 12 per cent by weight.

A. 18.06.02—Maize :

Maize shall be the dried mature grains of *Zea mays* Linn. shall be sweet, hard clean and wholesome. It shall also conform to the following standards, namely—

- (i) Moisture—Not more than 16.0 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130° C-133° C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 4 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight respectively. Out of total limit of poisonous seeds, dhatura and akra (*Vicia* species) shall not exceed 0.025 and 0.2 per cent by weight, respectively.
- (iii) Other edible grains—Not more than 3 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A. 18.06.03 Jawar and Bajra :

Jawar and Bajra shall be the dried mature grains of *Sorghum Vulgare* Pers. and *Pennisetum-typhoidum* Rich, respectively. These shall be sweet, hard-

clean and wholesome. These shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16.0 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130°C-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 4 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight, respectively. Out of total limit of poisonous seeds, dhatura and akra (*Vicia species*) shall not exceed 0.025 and 0.2 per cent by weight, respectively.
- (iii) Other edible grains—Not more than 3 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 6 per cent by weight out of which ergot affected grains shall not exceed 0.05 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by weight.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 10 per cent by weight.

A. 18.06.04—Rice :

Rice shall be the mature kernels or pieces of kernels of *Oryza sativa* Linn. obtained from paddy as raw or parboiled. It shall be dry, sweet, clean, wholesome and free from unwholesome poisonous substance. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130°C-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight (excluding discoloured tip).
- (iv) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (v) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vi) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 microgram per kilogram :

Provided that the total of foreign matter and damaged grains shall not exceed 6 per cent by weight.

A. 18.06.05—Masur Whole :

Masur whole shall consist of lentil (*Lens culinaris* Medik or *Ervum lens esculenta* Moench). It shall be sound, dry, sweet, clean and wholesome. It shall conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130°C-133°C for two hours).

- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 3 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 8 per cent by weight.

A.18.06-06—Urd Whole:

Urd whole shall consist of seeds of the pulses (*Phaseolous mungo* Linn). It shall be sound, dry, sweet and wholesome. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130°C 133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by count.
- (v) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kilogram.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A.18.06.07—Moong whole :

Moong whole shall consist of seeds of green gram (*Phaseolous aureus* Roxb., *Phaseolous radiatus* Roxb.). It shall be sound, dry, sweet, wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulses at 130°C-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.

- (v) Weevilled grains—Not more than 6 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A.18.06.08-Chana Whole :

Chana whole shall be the ried grains of gram (*Cicer arietinum* Linn). It shall be sound, clean, sweet, wholesome and free from unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulses at 130°C for 133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 3 per cent by weight out of which the inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Damagd grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 9 per cent by weight.

A. 18.06.09-Split Pulse (Dal) Arhar :

Dal Arhar shall consist of husk and split seeds of red gram [*Cajanus cajan* (L) Millsp]. It shall be sound, clean, sweet, dry, wholesome and free from admixture of unwholesome substance. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulses at 130°C-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 0.5 per cent by weight.
- (iv) Damagd grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid content—Not more than 100 mg. per kilogram.

- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 6 per cent by weight.

A. 18.06.10-Split Pulse (Dal) Moong :

Dal Moong shall consist of split seeds of green grams (*Phaseolus aureus* Roxb, *Phaseolus radiatus* Roxb). It shall be sound, clean, sweet, wholesome and free from unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulses at 130°C-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kilogram.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 8 per cent by weight.

A.18.06.11—Split pulse (Dal) Urd :

Dal Urd shall consist of split seeds of pulse (*Phaseolus mungo* Linn). It shall be sound, dry, sweet, wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (Obtained by heating the pulverised pulses at 130°C-133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight, out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 4 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric Acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that the total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 8 per cent by weight.

A.18.06.12—Dal Chana :

Dal Chana shall consist of split grains of gram (*Cicer arietinum* Linn). It shall be sound, clean, sweet, dry, wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (Obtained by heating the pulverised pulses at 130°C–133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 2 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kilogram.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 7 per cent by weight.

A.18-06.13—Split pulse (Dal) Masur :

Dal masur shall consist of dehusked whole and split seed of the lentil (*Lens esculenta* Moench or *Lens culinaris* Medik or *Ervum lens* Linn). It shall be sound, clean, dry, sweet, wholesome and free from admixture of unwholesome substances. It shall also conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 14 per cent by weight (obtained by heating the pulverised pulse at 130°C–133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 2 per cent by weight out of which inorganic matter shall not exceed 1 per cent by weight.
- (iii) Other edible grains—Not more than 2 per cent by weight.
- (iv) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (v) Weevilled grains—Not more than 3 per cent by count.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kilogram.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 7 per cent by weight.

A.18.06.14—Any other foodgrains not specified above shall conform to the following standards, namely :—

- (i) Moisture—Not more than 16 per cent by weight (obtained by heating the pulverised grains at 130°C–133°C for two hours).
- (ii) Foreign matter—Not more than 6.0 per cent by weight out of which inorganic matter and poisonous seeds shall not exceed 1.0 and 0.5 per cent by weight, respectively. Out of the total limit of poisonous seeds, dhatura and akra (*Vicia* species) shall not exceed 0.025 and 0.2 per cent by weight respectively.
- (iii) Other edible grains—Not more than 6 per cent by weight.
- (iv) Weevilled grains—Not more than 10 per cent by count.
- (v) Damaged grains—Not more than 5 per cent by weight.
- (vi) Uric acid—Not more than 100 mg. per kg.
- (vii) Mycotoxin including aflatoxin—Not more than 30 micrograms per kilogram :

Provided that total of foreign matter, other edible grains and damaged grains shall not exceed 12.0 per cent by weight.

Explanation—For the purposes of items 18.06 to 18.06.14 :—

- (a) “foreign matter” means any extraneous matter other than foodgrains comprising of—
 - (i) inorganic matter consisting of metallic pieces, sand, gravel, dirt, pebbles, stones, lumps of earth, clay and mud, animal filth and in the case of rice, kernels or pieces of kernels, if any, having mud sticking on the surface of the rice, and
 - (ii) organic matter consisting of husk, straws, weed seeds and other inedible grains and also paddy in the case of rice.
- (b) Poisonous, toxic and/or harmful seeds—means any seeds which if present in quantities above permissible limit may have damaging or dangerous effect on health, organoleptic properties or technological performance such as dhatura (*D. fastuosa* Linn and *D. stramonium* Linn), corn cokle (*Agrostemma githagol.*, *Machai Lallium remulenum* Linn), Akra (*Vicia* species).
- (c) “Damaged grains” means kernels or pieces of kernels that are sprouted or internally damaged as a result of heat, microbe, moisture or weather, viz, ergot affected grain and karnal bunt grains;
- (d) “Weevilled grains” means kernels that are partially or wholly bored by insects injurious to grains but does not include germ eaten grains and egg spotted grains;

- (c) 'Other edible grains' means any edible grains (including oil seeds) other than the one which is under consideration.

[No. P. 15014/3/88-PH(F&H)PFA]
BALBIR SINGH, Jt. Secy.

Note: The Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were first published in Part II Section 3 of the Gazette of India vide S.R.O. 2105 dated 12-9-1955 and subsequently amended as follows by:—

1. SRO 1202 dated 26-5-56
2. SRO 1687 dated 28-7-56
3. SRO 2213 dated 28-9-56 (Extraordinary)
4. SRO 2755 dated 24-11-56

The further amendments were published in Part II, Section 3 sub-section (i) of Gazette of India as follows by:—

5. GSR 514 dated 28-6-58
6. GSR 1211 dated 20-12-58
7. GSR 425 dated 4-4-60
8. GSR 169 dated 11-2-61
9. GSR 1134 dated 16-9-61
10. GSR 1340 dated 4-11-61
11. GSR 1564 dated 24-11-62
12. GSR 1589 dated 22-10-64
13. GSR 1814 dated 11-12-65
14. GSR 74 dated 8-1-66
15. GSR 382 dated 19-3-66
16. GSR 1256 dated 26-8-67
17. GSR 1533 dated 24-8-68
18. GSR 2163 dated 14-12-68 (Corrigendum)
19. GSR 532 dated 8-3-69
20. GSR 1764 dated 26-7-69 (Corrigendum)
21. GSR 2068 dated 30-8-69
22. GSR 1808 dated 24-10-70
23. GSR 938 dated 12-6-71
24. GSR 992 dated 3-7-71
25. GSR 553 dated 6-5-72
26. GSR 436(E) dated 10-10-72
27. GSR 133 dated 10-2-73
28. GSR 205 dated 23-2-74
29. GSR 850 dated 12-7-75
30. GSR 508(E) dated 27-9-75
31. GSR 63(E) dated 5-2-76
32. GSR 754 dated 29-5-76
33. GSR 755 dated 29-5-76
34. GSR 856 dated 12-6-76
35. GSR 1417 dated 2-10-76
36. GSR 4(E) dated 4-1-77

37. GSR 18(E) dated 15-1-77
38. GSR 651(E) dated 20-10-77
39. GSR 732(E) dated 5-12-77
40. GSR 775(E) dated 27-12-77
41. GSR 36(E) dated 21-1-78
42. GSR 70(E) dated 8-2-78
43. GSR 238(E) dated 20-4-78
44. GSR 393(E) dated 4-8-78
45. GSR 590(E) dated 23-12-78
46. GSR 55(E) dated 31-1-79
47. GSR 142(E) dated 16-3-79 (Corrigendum)
48. GSR 231(E) dated 6-4-79
49. GSR 1843 dated 11-8-79 (Corrigendum)
50. GSR 1210 dated 29-9-79 (Corrigendum)
51. GSR 19(E) dated 28-1-80
52. GSR 243 dated 1-3-80
53. GSR 244 dated 1-3-80
54. GSR 996 dated 27-9-80 (Corrigendum)
55. GSR 579(E) dated 13-10-80
56. GSR 652(E) dated 14-11-80
57. GSR 710(E) dated 22-12-80
58. GSR 23(E) dated 16-1-81
59. GSR 205(E) dated 25-3-81 (Corrigendum)
60. GSR 290(E) dated 13-4-81
61. GSR 444 dated 2-5-81 (Corrigendum)
62. GSR 503(E) dated 1-9-81
63. GSR 891 dated 3-10-81 (Corrigendum)
64. GSR 1056 dated 5-12-81 (Corrigendum)
65. GSR 80 dated 23-1-82 (Corrigendum)
66. GSR 44(E) dated 5-2-82
67. GSR 57(E) dated 11-2-82
68. GSR 245(E) dated 11-3-82
69. GSR 307(E) dated 3-4-82 (Corrigendum)
70. GSR 386 dated 17-4-82 (Corrigendum)
71. GSR 422(E) dated 24-5-82
72. GSR 476(E) dated 29-6-82
73. GSR 504(E) dated 20-7-82 (Corrigendum)
74. GSR 753(E) dated 11-12-82 (Corrigendum)
75. GSR 109(E) dated 26-2-83
76. GSR 249(E) dated 8-3-83
77. GSR 268(E) dated 16-3-83
78. GSR 283(E) dated 26-3-83
79. GSR 329(E) dated 14-4-83 (Corrigendum)
80. GSR 539(E) dated 1-7-83 (Corrigendum)
81. GSR 634 dated 9-5-83 (Corrigendum)
82. GSR 743 dated 8-10-83 (Corrigendum)
83. GSR 790(E) dated 10-10-83
84. GSR 803(E) dated 27-10-83
85. GSR 816(E) dated 3-11-83

- | | |
|---|--|
| 86. GSR 829(E) dated 7-11-83 | 119. GSR 1228(E) dated 27-11-86 |
| 87. GSR 848(E) dated 19-11-83 | 120. GSR 12(E) dated 5-1-87 |
| 88. GSR 893(E) dated 17-12-83 (Corrigendum) | 121. GSR 28(E) dated 13-1-87 (Corrigendum) |
| 89. GSR 113 dated 20-1-84 (Corrigendum) | 122. GSR 270(E) dated 2-3-87 |
| 90. GSR 500(E) dated 9-7-84 | 123. GSR 344(E) dated 31-3-87 (Corrigendum) |
| 91. GSR 612(E) dated 18-8-84 (Corrigendum) | 124. GSR 422(E) dated 29-4-87 (Corrigendum) |
| 92. GSR 744(E) dated 27-10-84 | 125. GSR 500(E) dated 15-5-87 (Corrigendum) |
| 93. GSR 764(E) dated 15-11-84 | 126. GSR 569(E) dated 12-6-87 (Corrigendum) |
| 94. GSR 3(E) dated 1-1-85 | 127. GSR 840(E) dated 6-10-87 |
| 95. GSR 11(E) dated 4-1-85 | 128. GSR 900(E) dated 10-11-87 |
| 96. GSR 142(E) dated 8-3-85 (Corrigendum) | 129. GSR 916(E) dated 17-11-87 |
| 97. GSR 293(E) dated 23-3-85 | 130. GSR 917(E) dated 17-11-87 |
| 98. GSR 368(E) dated 18-4-85 (Corrigendum) | 131. GSR 918(E) dated 17-11-87 (Corrigendum) |
| 99. GSR 385(E) dated 29-4-85 (Corrigendum) | 132. GSR 72(E) dated 3-2-88 (Corrigendum) |
| 100. GSR 543(E) dated 2-7-85 | 133. GSR 73(E) dated 3-2-88 (Corrigendum) |
| 101. GSR 550(E) dated 4-7-85 | 134. GSR 366(E) dated 23-3-88 (Corrigendum) |
| 102. GSR 587(E) dated 17-7-85 (Corrigendum) | 135. GSR 367(E) dated 23-3-88 |
| 103. GSR 605(E) dated 24-7-85 | 136. GSR 437(E) dated 8-4-88 |
| 104. GSR 745(E) dated 20-9-85 | 137. GSR 436(E) dated 8-4-88 |
| 105. GSR 746(E) dated 20-9-85 | 138. GSR 454(E) dated 8-4-88 |
| 106. GSR 748(E) dated 23-9-85 (Corrigendum) | 139. GSR 618(E) dated 16-5-88 |
| 107. GSR 892(E) dated 6-12-85 | 140. GSR 855(E) dated 12-8-88 |
| 108. GSR 903(E) dated 17-12-85 (Corrigendum) | 141. GSR 856(E) dated 12-8-88 |
| 109. GSR 73(E) dated 29-1-86 | 142. GSR 924(E) dated 13-9-88 (Corrigendum) |
| 110. GSR 507(E) dated 19-3-86 | 143. GSR 1081(E) dated 17-11-88 |
| 111. GSR 724(E) dated 29-4-86 (Corrigendum) | 144. GSR 1157(E) dated 9-12-88 |
| 112. GSR 851(E) dated 13-6-86 | 145. GSR 42(E) dated 20-1-89 (Corrigendum) |
| 113. GSR 852(E) dated 13-6-86 | 146. GSR 128(E) dated 8-3-90 |
| 114. GSR 910(E) dated 27-6-86 | 147. GSR 411(E) dated 29-3-90 |
| 115. GSR 939(E) dated 9-7-86 (Corrigendum) | 148. GSR 445(E) dated 16-4-90 |
| 116. GSR 1008(E) dated 18-8-86 (Corrigendum) | 149. GSR 457(E) dated 23-4-90 |
| 117. GSR 1149(E) dated 15-10-86 (Corrigendum) | |
| 118. GSR 1207(E) dated 18-11-86 (Corrigendum) | |

BALBIR SINGH, Jt Secy.